

संपत्ति पत्रांक - ०४६

मित्रांक - १६/०२/१६ परे अस्तित्वामें।

अनुसूची 21- प्रपत्र संख्या - 1131

पत्रांक - १७५

मित्रांक - १३/०३/१६

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

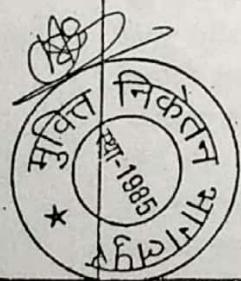
प्रमाण-पत्र, सं० श्रीमद्भास्तुला मुक्तिनिकेना प्रस्तुति

घूंकी श्री श्रीमद्भास्तुला मुक्तिनिकेना प्रस्तुति ने मेरे प्राप्त आवेदन किया है कि निम्नलिखित संपत्ति के सम्बन्ध के निवन्धित संव्यवहारों और अवभारों का संविवरण प्रमाण-पत्र दियो। जाय, पाठ्य-

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें) प्रतिपादन १० अप्रृष्ट १५/०२/१६

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में यही १ में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों से ता० ०१-०१-२००२ से ता० १७-०२-२०१६ तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चूँचा गया है।

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्रति विदेन		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्ड सं०	वर्ष	पृष्ठ
१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	भास्तुला मुक्तिनिकेना प्राप्ता ०१-०२-०२ अल्प - मुक्तिनिकेना मुक्ति - लाश	२३५	५२४ ५२४	दस्तावेज	२५८ ८-५० ०-५० १-५०			
					प्रतिपादन २-०० रु०			
					(दो दस्तावेज दिलाना चाहिए)			



(क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

(ख) १. बंधक-पत्र की दशा में व्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। यशर्ते कि इनके बारे में Secretary... हो।
२. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और बार्षिक लगान दर्ज करें।

Mahatma Gandhi
Shikshak Prashikshan Mahavidyalaya
Mukti Niketan, Katoria, Banka

M.G.S.
POB 100
MUKTINIKETAN, KATORIA, BANKA

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहार और अबभारों को छोड़, उक्त सम्पत्ति को प्रमाणित करने वाले किलो अन्य संव्यवहार और अबभार का पता नहीं छला है।

निम्न व्यक्ति ने तलाशी की ओर प्रमाण-पत्र तयार किया :-

(हस्ताक्षर) :- रामेश चाहत

(पदनाम) :- रिट्री

तलाशी का सत्यापन और प्रमाण-पत्र की जाँच निम्न व्यक्तियों ने की।

(हस्ताक्षर) :- रिट्री रिट्री

(पदनाम) :- LDC

कार्यालय काशी

तारीख १९/०३/१६

मुहर।

निबन्धन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
19/03/16

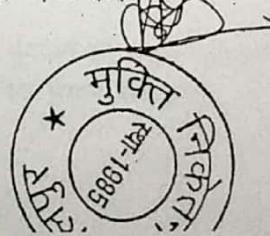
टिप्पणी :- इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अबभार दिखाये गये हैं वे आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं संपत्तियों को नियन्त्रित दस्तावेजों में दिखाया गया हो, तो वैसे दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (द्रान्जेकरान्स) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

(1) निकन्त अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियां देखना चाहते हों अथवा जो उनका प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें विनिर्दिष्ट संपत्तियों के अबभारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वयं करनी होगी। बिहित फीस का मुगातान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियों उनके सामने रख दी जायगी।

(2) किन्तु चूंकि उर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलाशी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अपेक्षित तलाशी अपने भरसक साक्षाती से की है। फिर भी, विभाग प्रमाण-पत्र में दिये गये तलाशी परिणाम की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

और चूंकि उर्त्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलाशी स्वयं को है और चूंके उसके द्वारा दुँड़े गये संव्यवहारों और अबभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया गया है। इसलिए विभाग आवेदक द्वारा न दुँड़े गये एसे संव्यवहारों और अबभारों को छुट के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रमाद पड़ता हो।

M.K. Singh
PRINCIPAL
M.G.S.P.J. COLLEGE
MUKTIBHETI, MATHURA
U.P.



H. Singh
Secretary